

प्रसाघारण

EXTRAORDINARY

भाग II---सण्ड 3----जपसण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

म॰ 305]

नर्ड विरुली, बृहस्पतिवार, जुलाई 11, 1974/ग्राषाद 20, 1896

No. 305]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 11, 1974/ASA DHA 20, 1896

इस भाग में भिग्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ब्रलग संशलन के इत्य में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th July 1974

S.O. 427 (E).—Whereas by the notification of the Government of India, in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 397(E), dated the 16th July, 1973, the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1) of section 7 of the Sick Textile Undrtakings (Taking Over of Management) Act, 1972 (72 of 1972), declared that the operation of all the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said notification to which the industrial undertakings specified in column (2) of the Schedule to the said notification or the companies owning such undertakings as specified in column (3) of the said Schedule are parties or which may be applicable to said industrial undertakings or companies, shall remain suspended for a period of one year from the said date, and that all the rights, privileges, obligations and liabilities (except those relating to banks and financial institutions) accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended by a further period of one year;

Now, therefore, exercise of the powers conferred by sub-section 2 of section 7 of the Sick Textile Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1972 (72 of 1972), the Central Government hereby extends the duration of the said notification by a further period of one year.

[No. 28013/159/73-NTC]D. K. SAXENA, Jt. Secy.

भौद्योगिक विकास मंत्रालय

श्रिष्टिसूचना

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1974

का० सा० 427 (द्रा).—यतः केन्द्रीय सरकार ने, रुग्ण यस्त्र उपक्रम, (प्रबन्ध प्रहण) प्रधिनियम, 1972 (1972 का 72) की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवस्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सर गर के ग्रौधोगिक विकास मंत्रालय की प्रधिसूचना सं० का० ग्रा० 397 (इ), तारीख 16 जुलाई, 1973 द्वारा घोषणा की थी कि उनत ग्रिधसूचना के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाग्रों, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी ग्रावेशों या ग्रन्य निखतों जिनके उक्त ग्रिधसूचना की ग्रनुसूची के स्तंम्भ 2 में विनिर्दिष्ट ग्रौखोगिक उपक्रम या उक्त ग्रनुसूची के स्तम्भ 3 में यथा विनिर्दिष्ट उपक्रमों का स्वामित्व रखने वाली कम्पनियों पक्षकार हैं या जो उक्त ग्रौद्योगिक उपक्रमों या कम्पनियों को लागू हो, का प्रवर्तन, ऐसी तारीख से एक वर्ष की ग्रविध के लिए, निलम्बित रहेगा भौर उक्त तारीख के पूर्व उनके ग्रधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी ग्रधिकार, विशेषाधिकार बाध्यताएं ग्रौर वायत्व उक्त ग्रविध के लिए, निलम्बित रहेगा भौर उक्त तारीख के पूर्व उनके ग्रधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी ग्रधिकार, विशेषाधिकार बाध्यताएं ग्रौर वायत्व उक्त ग्रविध के लिए, निलम्बित रहेगे।

भीर यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त श्रधिसूचना की अवधि एक वर्ष की भीर श्रवधि के लिए बढ़ायी जानी चाहिए ;

भतः, भव, केन्द्रीय सरकार रूग्ण बस्त्र उपक्रम (प्रवन्ध प्रहण) अधिनियम, 1972 (1972 का 72) की धारा 7 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए उन्त अधिसूचना की भविष एक वर्ष की और अविध के लिए विस्तरित करती है।

[सं० 28013/159/73-एन टी सी] डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।